गौठान में महिलाओं ने गोबर से मच्छर अगरबत्ती सहित विभिन्न उत्पाद बनाना सीखा, 3 जोन की महिला समूहों ने गोबर से बनने वाले उत्पादों का लिया आज प्रशिक्षण

भिलाईनगर / छत्तीसगढ़ शासन की महत्वाकांक्षी गोधन न्याय योजना के तहत गोबर खरीदी कर वर्मी कंपोस्ट तैयार किया जा रहा है! नगर पालिक निगम भिलाई क्षेत्र अंतर्गत निर्मित गौठान एवं गोबर खरीदी केन्द्रों में गोबर से विभिन्न उत्पाद बनाएं जाएंगे जिसके लिए आज प्रशिक्षण दिया गया! गोबर से बनने वाले उत्पादों की बढ़ती मांग एवं उपयोगिता को देखते हुए विभिन्न उत्पाद बनाने का निर्णय महिलाओं ने लिया है। गोबर से विभिन्न तरह के उत्पाद बनाने के जानकार निधि चंद्राकर ने आज शहरी गौठान में तीन जोन की महिला सदस्यों को गोबर के उपयोग से मच्छर अगरबत्ती और गोबर कंडे की राख से दंत मंजन बनाने के लिए प्रशिक्षित किए। निगम आयुक्त श्री ऋतुराज रघुवंशी ने गौठान एवं गोबर खरीदी केन्द्रों को संचालित करने वाली महिला समूहों को आर्थिक रूप से मजबूत करने वर्मी कम्पोष्ट के साथ अन्य उत्पाद तैयार करने कहा है जिससे आम नागरिकों को गोबर से बने प्राकृतिक उत्पाद मिलेंगे और महिला समूह उन्हें बेचकर आय अर्जित करेंगी। समूह की महिलाएं आमदनी के स्रोत बढ़ाने के कई उपाय कर रही है, स्व सहायता समूह की महिलाएं यहां पर गोबर से निर्मित होने वाले विभिन्न उत्पादों को बनाने का प्रशिक्षण ले रही हैं , इसी के तहत आज गौठान में सेक्टर- 5 की उड़ान नई दिशा संस्था की निधि चन्द्राकर ने गोबर से बनाए जाने वाले उत्पादों का प्रशिक्षण दिया। प्रशिक्षण में जोन 01, जोन 03, और जोन 05 की एएलएफ की महिलाओं को गोबर के साथ औषधीय सामग्रियों से बने हुए दंत मंजन एवं मच्छर भगाने के अगरबत्ती बनाने का प्रशिक्षण दिए। उन्होंने बताया कि किस प्रकार से अजवाईन , हल्दी, त्रिफला चूर्ण, गोबर के कंडे का राख, फिटकरी, सरसो तेल, सेंधा नमक आदि के उपयोग से दंत मंजन बनाया जाता है , इसी प्रकार मच्छर भगाने मच्छर अगरबत्ती बनाने के लिए नीम पत्ती , गोबर, गुड़, कपूर, नीम का तेल आदि से तैयार करना सिखाया। अब अगले चरण में गोबर से बनने वाले दिए , गमला एवं मूर्ति बनाने तथा गोमूत्र से कीटनाशक आदि बनाने का प्रशिक्षण दिया जाएगा। महिलाओं ने हाथ से निर्मित गोबर का कंडा एवं लकड़ी तैयार करना प्रारंभ कर दिया है। गोधन योजना के सफल क्रियान्वयन हेतु भिलाई निगम प्रशासन जुटा हुआ है। निगम आयुक्त के निर्देश पर सभी जोन आयुक्त अपने अपने क्षेत्रों में एसएलआरएम सेंटर में गोबर खरीदी केन्द्र का संचालन महिला समूहों से करा रहे है। निगम की ओर से केन्द्रों में मूलभूत सुविधा भी प्रदान की जा रही है, ताकि योजना का बेहतर क्रियान्वयन होने के साथ महिला समूह आर्थिक रूप से सशक्त हो